Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-8

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date: Online – 06.08.2023

UPSC Roll No.: 6307371

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	I	64
Section-B	II	65
(Grand Total)		129

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

प्रिय छात्र,

- आपकी उदाहरणों की समृद्धता प्रशंसनीय है।
- Story से भूमिका शुरू करना अच्छा तरीका है।

Suggestion –

सिर्फ topic के समर्थन में नहीं लिखना यह अधिकांश भाग हो सकता है, संपूर्ण नहीं।

like :- उदारता, प्रतिभा का विकल्प है)

विश्लेषण में यह आना चाहिए कि उदारता यदा-कदा प्रतिभा का विकल्प तो हो सकता है किंतु अधिकांशतः उदारता और प्रतिभा का संयोग ही सफलता दिलाता है। दोनों में से कोई भी अकेला काफी नहीं है।

You are doing good, keep it up.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निबंध - 08

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(2)

सीमित लोगों के हाथों में असीमित शक्ति हमेशा क्रूरता की ओर ले जाती है।

कोविड-19 बीमारी के भारत में प्रवेश करने के साथ ही भारत एवं राज्य सरकारें सतर्क हो गयी थी। यह चीनी प्रयोगशाला परीक्षणों की एक त्रुटि समझा जा रहा था।

भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 का सहारा लेकर देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा कर दी। राज्य सरकारों ने जिलाधिकारियों को शक्तियाँ प्रदान की जिससे इस अननुमेय परिस्थिति से निपटा जा सके।

शादी-विवाह में औचित्यपूर्ण प्रतिबन्ध पर बल दिया गया किन्तु अगरतला में एक सिविल सेवक द्वारा शादी पार्टी में लोगों के साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इससे कुछ सीमित लोगों के हाथों में सत्ता/शक्ति का संकेन्द्रण होने से क्रूरता एवं अमानवीयता का उदाहरण देखने को मिला।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

असीमित शक्ति व्यक्ति को दंभी एवं गैर-जवाबदेह बना सकती है। इतिहास, युद्धों की कहानी कहता है जहाँ एक क्षेत्र लेबनसरम का सहारा लेकर अपने पड़ोसी क्षेत्र पर अधिकार करना चाहता था। युद्ध की यह स्वीकृति केवल कुछ सीमित लोगों के निर्णयों पर आधारित थी जिससे भयंकर त्रासदी एवं जन-मृत्यु देखने को मिलती थी।

अंग्रेजों ने भी अपनी साम्राज्य-विस्तार के नीति के परिणामस्वरूप स्वयं ही स्वयं को विभिन्न अधिनियमों के माध्यम से भारतीय भूमि एवं लोगों को उत्पीड़ित करने की असीमित शक्ति प्रदान कर दी जिसका प्रभाव 1857 की क्रांति से लेकर भारत छोड़ो आन्दोलनों को कुचलने तक में किया गया।

अशोक की कलिंग विजय उसकी प्रादेशिक शक्ति में इजाफा करती है किन्तु मानवता की हानि व लोगों की मृत्यु ने अशोक का मन विचलित कर दिया। एक तरफ अशोक असीमित शक्ति का सहारा लेकर क्रूर बन सकते थे और दूसरी ओर अपने कर्तव्यों का ध्यान रखकर मानवीय, जिसका परिणाम उनकी धम्म नीति के रूप में देखने को मिला।

पृथ्वी की लगभग 13 अरब वर्ष पहले उत्पत्ति के बाद संसाधनों का असीमित वितरण हुआ जैसे - प्राकृतिक गैस, खनिज, पेट्रोलियम आदि। इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग मनुष्यों द्वारा सत्ता संकेन्द्रण हेतु किया गया।

अरब प्रायद्वीप में तेल का विशद भण्डार मौजूद है। अरब देश वैश्विक तेल आपूर्ति का आधे से अधिक उपलब्ध कराते हैं। तेल संकेन्द्रण ने अरब देशों में पेट्रोलियम निर्यातकर्ता देशों के संगठन (OPEC) की स्थापना में योगदान दिया जिसका प्रभाव 1960 से अब तक तेल की कीमतों में लगभग 25 गुना वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। इसका विभिन्न देशों के आयात बिलों में वृद्धि, नागरिकों की क्रय शक्ति में कमी के रूप में प्रभाव पड़ता है।

good dimension

भारतीय परिदृश्य में भी छोटा-नागपुर पेटी में ही खनिजों का अत्यधिक संकेन्द्रण असमान विकास का एक महत्वपूर्ण कारक है। निजी क्षेत्रों द्वारा यहाँ दिहाड़ी मजदूरों का शोषण एवं महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार आम बात है। अपितु सत्ता व संसाधनों के संकेन्द्रण ने लोगों को मूल्यों एवं नैतिकता से विहीन कर दिया है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय समाज में इतिहास से ही पितृसत्तात्मकता का बोल-बाला रहा है। महिलाओं को केवल घर की चारदीवारी तक ही सीमित माना जाता था। वैदिक युग में कुछ स्त्रियों घोषा, लोपामुद्रा जैसे नाम ही सामने आते हैं जबकि गुलाम वंश में रजिया सुल्ताना के चरित्र का ही वर्णन मिलता है।

सत्ता के केंद्रीकरण से ही महिलाओं ने अपनी असीम क्षमता का दोहन पूर्णरूपेण नहीं किया। खान-पान, शिक्षा में भी पुरुषों से कमतर आँकने के कारण महिला साक्षरता 65% ही पहुँच पायी है जबकि पुरुष 82% साक्षर हैं। लगभग 60% बालिकाएँ एनीमिया की शिकार हैं। श्रम बल में केवल 25% हिस्सेदारी से महिलाएँ आर्थिक रूप से भी सशक्त नहीं हो पायी हैं।

भारत सरकार, नागरिक समाज संगठनों आदि के प्रयासों से इस क्षेत्र में महिला-पुरुष खाई को भरने की कोशिश की गयी है। बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से जन्म के समय लिंगानुपात 2004-05 के 918 से बढ़कर 2019-20 में 934 हो गया है। उज्ज्वला, स्वाधार गृह, वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाओं से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। NALSA नाम भारत संघ मामले में LGBTQ समुदाय को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता मिली है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सत्ता के एकत्रीकरण से सामान्यतः व्यक्ति अपने मानवीय मूल्यों से परे हो जाता है। हिटलर के उदाहरण द्वारा इसे समझा जा सकता है। हिटलर ने अपनी सत्ता का लाभ लेकर यहूदियों के खिलाफ अत्याचार किये एवं अनेक यहूदियों को धर्म के नाम पर मौत के घाट उतार दिया गया। यह क्रूरता की पराकाष्ठा थी।

वर्तमान में ऐसा ही उदाहरण चीन के शी जिनपिंग एवं उत्तर कोरिया के किम जोंग उन द्वारा प्रतिपादित किया जा रहा है। किम जोंग ने उत्तर कोरियाई जनता की स्वतंत्रता पर अनेकानेक प्रतिबन्ध लगाये हैं एवं पूर्ण केन्द्रीकृत सरकार की स्थापना की है।

इसी तरह चीनी सरकार ने भी वैश्विक एप्स को प्रतिबंधित किया है जिससे लोगों की वैश्विक घटना तक पहुँच सीमित कर दी है। इससे मानवाधिकारों का हनन तो हुआ ही है, इसके साथ लोगों के विकासीय अवसर सीमित हुए हैं। प्रत्येक वस्तु पर केन्द्रीकरण दीर्घकाल में देश के लिए खतरा बनता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इसी तरह की प्रवृत्ति भारतीय समाज में भी देखी गयी है। 1992 से पहले सभी योजनाओं को केन्द्रीकृत रूप से निर्मित किया जाता था। योजना आयोग में राज्यों की भूमिका दर्शक भर की होती थी।

1992 के बाद पंचायती राज संस्थानों को संवैधानिक महत्व प्रदान करने के बाद लोगों को वास्तविक अधिकार प्राप्त हुए। नागरिक का स्वयं पर नियंत्रण स्थापित हुआ है एवं सत्ता का विकेन्द्रित स्वरूप देखने को मिला। केन्द्रीकरण में "वन साइज फिट ऑल" की रणनीति के तहत सभी क्षेत्रों के लिए एक समान नीतियां निर्धारित की जाती थी जिसका प्रभाव असमान विकास के रूप में देखने को मिला।

नीति आयोग की 2015 में स्थापना के बाद से राज्यों को अधिक अधिकार प्राप्त हुए हैं। राज्य, नीति आयोग की शासी परिषद् में महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में भाग लेते हैं। इससे सहकारी संघवाद को भी बढ़ावा मिला है एवं क्षेत्रवार समान विकास की सुनिश्चितता को भी प्रगति मिली है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

good

सीमित हाथों तक धन का संग्रहण भी असमान व्यवहार एवं मूल्य ह्रास का परिचायक है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार- भारत के शीर्ष 5% धनिक लोगों के पास कुल भारतीय सम्पत्ति का 60% उपलब्ध है एवं निचले 50% लोगों के पास 1% सम्पत्ति उपलब्ध है।

इस संकेन्द्रण का प्रभाव भूखमरी, कुपोषण, अल्पपोषण एवं मृत्यु दर में वृद्धि के रूप मे मिलता है। विश्व बैंक के पूर्व अध्यक्ष ने विश्व विकास रिपोर्ट में आर्थिक कारण को भी भूखमरी हेतु जिम्मेदार बताया है। ऑक्सफैम की ही एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार COVID-19 के समय लगभग 160 मिलीयन लोग गरीबी में धकेले गये तो भारत के शीर्ष 10 पूँजीपतियों की सम्पत्ति दोगुनी हो गयी।

हाल ही में जी. रोहिणी आयोग द्वारा सौंपी गयी रिपोर्ट में भी उल्लेख किया गया है कि OBC के 97% आरक्षण का लाभ 25% जातियां कर रही है जिसमें से 983 जातियों को आरक्षण का शून्य लाभ मिला है। यह सब संसाधन एवं शक्ति संकेन्द्रण के कारण निचले स्तर के लोगों को मिलने वाले अवसर को सीमित कर रहा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत ने वैज्ञानिक क्षेत्र में निरन्तर प्रगति की है। नव-पर्यावरणवादियों के अनुसार विज्ञान समाधान उपलब्ध करवाता है किन्तु GM- फसल, रोबोटिक्स, चैट GPT जैसे नवीन अनुसंधानों ने विज्ञान की नैतिकता एवं मनुष्य के प्रति उपयोगिता पर प्रश्न खड़े किये हैं।

GM फसलों के विकास के लाभ के रूप में किसानों की आय वृद्धि, कीटों से सुरक्षा एवं वृद्धिशील उत्पादकता को देखा जा रहा है किन्तु पेप्सीको जैसी कम्पनी का हालिया डेस GM बीजों पर एकाधिकार को दर्शाता है जिससे अन्ततः किसानों को हानि ही होती है।

इंटरनेट पर सब कुछ उपलब्ध कराने का प्रभाव मानव की तार्किक शक्ति न्यून होने पर पड़ा है। रोबोटिक्स के कारण मानव की निर्भरता एवं रोबोट की मानवीय सीख से भी आगे जाकर काम करने की कोशिश को रोबोट फिल्म में फिल्माया गया है। इसके अतिरिक्त इन सबने निजता के खतरे, नवीन साइबर अपराध तकनीकों एवं आर्थिक खतरों को जन्म दिया है जिससे बचाव हेतु उपाय की आवश्यकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मानव, इस प्रकृति के सबसे बुद्धिमान जीव समझे जाते हैं जिस कारण मानव को पर्यावरण बचाने के प्रयासों की आवश्यकता पर हमेशा से बल दिया गया है।

भारत के सन्दर्भ में विकास के नाम पर निर्वनीकरण जैसी प्रक्रियाओं से वनों का क्षेत्रफल घटता जा रहा है। "ग्लोबल फोरेस्ट वॉच रिपोर्ट" के अनुसार 2022 में भारत में कुल 2 लाख हेक्टेयर वनों का विनाश हुआ है। यह सत्ता के संकेन्द्रीकरण से पर्यावरण विनाश को दर्शाता है। 10-15 वर्षों तक आंगन में चहकने वाली चिड़िया की आवाज अब सुनाई नहीं देती।

शिकार के कारण चीताओं का भारत से लुप्त होना भी यही कहानी कहता है। भारत सरकार पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वायु संरक्षण जैसे अधिनियमों, अपने पंचप्रण एवं पर्यावरण के प्रति जीवनशैली (LiFE) जैसे तरीके अपनाकर पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्निर्माण पर कार्य कर रहा है। भारत अपने SDG लक्ष्यों की प्राप्ति एवं जनजातीय समुदायों के अधिकार के प्रति प्रतिबद्ध दिखता है (वन अधिकार अधि. 2006)

चाणक्य के अनुसार, 'मछली समुद्र से कितना पानी पीयेगी अथवा पीयेगी या नहीं यह मछली पर निर्भर करता है।' व्यक्ति सत्ता प्राप्ति के लिए अनेक रास्ते अपनाता है जिससे उसकी पहुँच संसाधनों तक हो सके। सत्ता प्राप्ति के पश्चात सत्ता का दुरुपयोग एवं संसाधनों का निजी हित मे उपयोग देखा जाता है।

पब्लिक चॉइस थ्योरी के अनुसार यदि राजनेताओं एवं नौकरशाहों की सत्ता/शक्ति में कमी कर दी जाये तो कार्यकारी संस्थाएं प्रभावी कार्य कर सकती है। सत्ताधीशों में अधिकतर भावनात्मक बुद्धिमता का अभाव देखा जाता है जिससे नीतियों का लाभ लाभार्थियों तक नहीं पहुँच पाता। ✓

भारत सरकार के मिशन कर्मयोगी के अनुसार कार्मिकों को प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है एवं सुशासन, ई-गवर्नेंस के आधार पर सत्ता में लोगों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि एक समावेशी समाज का निर्माण हो सके।

→ हर बार शक्ति संकेंद्रण क्रूर है, ऐसा भी नहीं है- (1&2 Paragraph, इस पर भी लिखें)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सार रूप में यह कहा जा सकता है कि व्यक्ति की मूल सोच-शक्ति संकेन्द्रण पर प्रहार, विकेन्द्रित समाज के निर्माण द्वारा किया जा सकता है। हमें इस बात की आवश्यकता है कि जन-भागीदारी द्वारा सरकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो सके।

इतिहास के उदाहरणों से यह सीख लेनी चाहिए कि निजी हित को सार्वजनिक लाभों पर प्राथमिकता देने से अन्ततः देश, समाज एवं प्रकृति का नुकसान होता है जिसका परिणाम स्वयं को भी इहलोक अथवा परलोक में भुगतना पड़ता है। कृष्ण जी ने भगवद्गीता में कहा है।

"यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारते, अभ्युत्थानम् धर्मस्य, तदाऽत्मानम् सृजाम्यहम्।"

अर्थात् जब-जब धर्म का विनाश होगा तब-तब वह धर्म की रक्षा के लिए इस पृथ्वी पर जरूर आयेंगे।

64/125

→ बीच-बीच में शक्ति का संकेंद्रण — क्रूरता जैसी शब्दावली का प्रयोग करते रहें, इससे essay topic से connected लगेगा।

→ भूमिका में story, प्रासंगिक लिखें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

8

दृढ़ता प्रतिभा का एक बेहतरीन विकल्प है।

Manoj kumar : 12th fail

कुछ समय पूर्व ही यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के परिणाम घोषित किये गये हैं। 900 से अधिक परीक्षार्थियों ने इसमें सफलता हासिल की। यह कहना तो अनुचित होगा कि उनमें प्रतिभा की कमी थी क्योंकि उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिभा अत्यावश्यक है किन्तु प्रतिभा को समयानुरूप अभ्यास एवं कौशल विकास से सुधारा जा सकता है।

यह भी सत्य है कि अनेकों प्रतिभाशाली विद्यार्थी इस लिस्ट में जगह नहीं बना पाये। सम्पूर्ण लिस्ट खंगालने के बाद एक नाम जो दृढ़ता की मिसाल कहा जा सकता है वह है रामभजन कुम्हार।

रामभजन का 2022 में सिविल सेवा का आठवाँ प्रयास था। अन्य पिछड़ा वर्ग से आने के कारण वह 9 प्रयासों तक अपनी मेहनत व भाग्य आजमा सकते थे। एक कांस्टेबल के रूप में अपनी जिम्मेदारी निर्वहन करते हुए उन्होंने दृढ़ता से अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास किया और अन्ततः सफल हुए।

इससे बचें, अतिवादी प्रतीत होता है। कोई gen. examiner [illegible] पर चिढ़ सकता है

सिर्फ 8th attempt था इतना ही लिखो

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इतिहास में भी दृढ़ता के अनेक उदाहरण दृष्टिगोचर होते हैं। महात्मा बुद्ध ने अपने राजसी जीवन का त्याग करके निर्वाण प्राप्ति को अपना लक्ष्य बनाया। अपने दृढ़ निर्णय की प्राप्ति के बाद वे महात्मा बुद्ध बने।

ऐसा बताया जाता है कि अकबर अनपढ़ थे अर्थात् उन्होंने किताबी ज्ञान नहीं लिया था किन्तु यह उनके दृढ़ विश्वास और क्षमता का ही उद्बोधन है कि उन्होंने सभी धर्मों के मध्य समानता को प्रोत्साहन दिया एवं इबादतखाना की स्थापना की जहाँ सभी धर्मों के लोग आपसी विचार-विमर्श करते थे।

अपने मंत्रिमण्डल में उन्होंने सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता रखी एवं अपनी दृढ़ प्रतिज्ञाओं के कारण ही वे इतिहास में सम्राट अकबर के रूप में जाने जाते हैं। मुगल साम्राज्य उन्हीं के काल में अपने उत्कर्ष में पहुँचा। लोगों के प्रति सहृदयता, करुणा, संवेदना का परिणाम लोगों में उनके प्रति विश्वास एवं प्रदेश की उन्नति के रूप में दिखाई देता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्रतिमा सामान्यतः जन्मजात होती है जिसमें समयान्तर में योग सम्भव है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में समान विकास प्रदान करना हमेशा से भारतीय एवं वैश्विक नीति-निर्माण का हिस्सा रहा है।

जम्मू-कश्मीर, भारत का अभिन्न अंग रहा है। 2019 में भारत-सरकार की क्रियाशीलता एवं अपने दृढ़ विचारों के परिणामस्वरूप अनु. 370 की समाप्ति की गयी जिससे अन्ततः कश्मीरी लोगों को भारतीय एकता, अखण्डता एवं तिरंगे से एकसार होने का अवसर मिला। इसी का परिणाम हुआ कि जम्मू कश्मीर में 35500 करोड़ के अधिक के बजटीय आवंटन से योजनाओं में प्रगति हुई।

सरकार द्वारा देश के प्रत्येक घर तक जल पहुँचाने की हर-घर जल योजना के प्रति दृढ़ प्रयासों के परिणामस्वरूप 2019 में 16% से बढ़कर 2023 में 64% घरों तक नल से जल पहुँचा है जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत LPG उपयोग करने महिलाओं/परिवारों की संख्या में 33% (2019) से 71% (2022) तक बढ़ी हुई है।

सामाजिक क्षेत्र में व्याप्त विषमता से स्वयं समाज एवं क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ देश का आर्थिक विकास भी परिवर्तित होता है। समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के प्रति दृढ़ता शायरा बानो केस में देखने को मिली जहाँ महिलाओं को तीन तलाक से आजादी गयी।

अवनी चतुर्वेदी की दृढ़ता परिणामस्वरूप ही वह लड़ाकू विमान उड़ाने वाली प्रथम भारतीय (एकल रूप से) महिला बनी। सिंधुताई सपकाल और तुलसी गौड़ा को मिला पद्म श्री सम्मान उनकी अपनी दृढ़ता की कहानी कहता है।

दिल्ली के नगरनिगम में बॉबी किन्नर का प्रवेश समावेशी विकास एवं सामाजिक न्याय की अनूठी मिसाल है। उनकी दृढ़ता की बदौलत ही यह संभव हो पाया है। बच्चों के प्रति POCSO अधि., 2012 के द्वारा संवेदनशीलता पैदा करने महिला हिंसा रोकथाम अधि. 2005, विशाखा गाईडलाइन्स, 2013 व आन्तरिक शिकायत समिति का निर्माण महिला व बच्चों की सुरक्षा की दृढ़ अवधारणा पेश करती है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत अपनी पूर्ण क्षमता से तीव्रतर आर्थिक विकास की ओर गति कर रहा है। IMF द्वारा भी भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से सबसे अधिक वृद्धि का गीत गाया गया है।

भारतीय प्रधानमंत्री ने विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को 2027 तक स्थापित करने के अपने विजन को सामने रखा। उनके दृढ़ विश्वास एवं क्षमतावान नेतृत्व से भारत ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था बन पाया है।

भारतीय किसान अपनी आय के प्रति सदैव असमंजस में रहने को विवश हैं। किसानों की आय दोगुनी करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश दृढ़ता का पर्याय है तो दूसरी ओर एक ODF मुक्त भारत का विकास वास्तव में एक दृढ़ विश्वास की कहानी कहता है। यह असंभव नहीं था किन्तु आसान तो कतई नहीं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन, नौकरशाही की तत्परता की अनूठी मिसाल देखने को मिली है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक ऊष्मन एक सत्य परिघटना है जिसे जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (IPCC) ने अपनी आकलन रिपोर्ट में स्वीकार किया है।

भारत द्वारा हालांकि जलवायु परिवर्तन में प्रति व्यक्ति योगदान अत्यन्त न्यून है किन्तु भारत SDG लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भरसक कोशिश कर रहा है। भारत अपने पंचप्रणों के माध्यम से वैश्विक जलवायु की स्थिरता पर कार्यरत है।

नदी जोड़ो परियोजना के द्वारा भारत अपने जल आधिक्य क्षेत्रों से जल न्यून क्षेत्रों की ओर जल ले जाने के प्रति दृढ़ है। केन-बेतवा, दमनगंगा-पिंजाल, गोदावरी-कृष्णा, कृष्णा-कावेरी जैसी परियोजनाओं का संयुक्त प्रभाव भारतीय भौगोलिक क्षेत्र में जल का समुचित वितरण सुनिश्चितता के रूप में देखने को मिलेगा। नीति-निर्माण में एवं कार्यान्वयन में दृढ़ता के परिणामस्वरूप ही यह संभव हो पायेगा।

is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ पश्चिम की पक्षधर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष सभी में पश्चिमी देश अपनी धौंस जमाते रहे हैं। भारत का यह दृढ विश्वास है कि बदलते भू-राजनैतिक परिदृश्य के कारण इन संस्थाओं में अविलम्ब परिवर्तन अपेक्षित है।

भारत सरकार द्वारा समान सोच वाले देशों के साथ मिलकर G-4 देशों के समूह की स्थापना की गयी है (ब्राजील, भारत, जर्मनी, जापान) जिसका उद्देश्य सुरक्षा परिषद में परिवर्तन करना है। भारत की दृढ़ता का ही परिणाम था कि UN महासभा द्वारा 2023 को 'अन्तर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष' घोषित किया गया।

बाह्य अंतरिक्ष में अंतरिक्ष कचरे के लिए भारत 0.5% से भी कम हिस्सेदारी रखता है किन्तु एक शांत व स्वच्छ अंतरिक्ष की कल्पना के लिए प्रोजेक्ट NETRA एवं MEGHA TROPIQUES के माध्यम से अपनी दृढ़ता व उत्तरदायित्व का परिचय दे रहा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय वैज्ञानिकों की दृढ़ता की मिसाल देता जीवन्त उदाहरण चन्द्रयान 3.0 है। चन्द्रयान 2.0 की सॉफ्ट लैंडिंग में विफलता के कारण वैज्ञानिकों दुगुनी क्षमता से अपनी अगली सफलता के प्रयास में जुट गये। हमें अपनी असफलताओं पर जरूर सोचना चाहिए किन्तु असीम सफलता प्राप्ति के बारे में कभी नहीं भूलना चाहिए।

अंतरिक्ष में पहली बार में मंगलयान को अति-न्यून खर्च (450 करोड़) में पहुँचाना हो या फिर चन्द्रयान 3.0 को सीमित समय में ही तैयार करके लॉन्च करना सब भारतीय वैज्ञानिकों की दृढ़ता की कहानी कहते हैं जिसे इनकी प्रतिभा ने और बल दिया।

चीन के साथ भारतीय सम्बन्धों की खराब प्रवृत्ति के कारण विदेशी व्यापार जैसे सम्बन्धों को दरकिनार करते हुए चीनी एप्स को प्रतिबन्ध करने का विचार दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण पेश करता है जिससे भारतीय जनमानस की चीन पर निर्भरता में कमी आयी।

उदाहरणों की विविधता सराहनीय है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अपने दृढ़ संकल्प की बदौलत ही अपनी प्रतिभा पर पाते हुए कहानियां गढ़ी जाती हैं। व्यक्ति की अभिवृत्ति यह निर्धारित करती है कि वह किस पद, प्रतिष्ठा की योग्यता रखता है। अपने दृढ़ संकल्प के कारण ही महेन्द्र सिंह धोनी एक टिकट चेकर से भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में उभरकर सामने आये।

उमाकांत उमराव, IAS की दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम था कि उन्होंने अपने ट्रेवास मॉडल के आधार पर खेतों में फसल की प्राप्ति को कई गुना करवाने में सफलता प्राप्त की। 'पानी बचाओ-लाभ कमाओ' के आधार पर किसान अपनी आय-वृद्धि में सफल रहे।

अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं निष्पक्षता का पर्याय IPS प्रभाकर चौधरी हैं जिन्हें अपने सर्विस काल में 20 से भी अधिक बार स्थानान्तरण झेलना पड़ा है। हमें अपनी मानसिक इच्छाशक्ति को प्रभावी बनाकर लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रगतिशील रहने की आवश्यकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

हमारी कहानी का नायक रामभजन यदि यह मानकर बैठ जाता है कि यू. पी. एस. सी. केवल अच्छी विद्यालयों में पढ़ने वाले ज्ञानवान एवं बुद्धिशील लोगों का खेल है तो वह इस खेल में कभी प्रतिभागी भी नहीं बन पाते किन्तु हमने देखा कि किस तरह वे न केवल इस खेल में प्रतिभागी बने अपितु विजेता भी।

किसी प्रक्रिया में जीत या हार से ज्यादा आवश्यक है इस खेल में भाग लेना। यदि हम खेल में भाग नहीं लेते हैं तो अपनी सफलता का एक मौका हम गँवा देते हैं। हमें आवश्यकता है कि अपनी असफलता का ठीकरा किस्मत पर ना फोड़कर अपनी इच्छाशक्ति को और अधिक दृढ़ करें। आगामी पंक्तियों में दृढ़ता को दर्शाया गया है।

"जब तक सफल ना हो, नींद-चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर नहीं भागो तुम।"

Good

15/129